AUDIO VIDEO Play

श्री मुख वाणी गायन

फरेबी लिए जाए

फरेबी लिए जाए, मेरी रूह तूं आँखें खोल।
बीच बका के बैठके, तें किनसों किया कौल।।

अर्स की खिलवतमें, हककी वाहेदत।
बैठ के बातें जो करी, सो कहां गई मारफत।।

सब बातें मेरे दिल की, और सब रूहों के दिल।
सो सब भेजी तुम को, जो करियां आपन मिल।।

कौन है तेरा मासूक, किनसों है निसबत।
देख अपना वतन, अब तूं आई कित।।

महामत कहें ए मोमिनों, ऐसी क्यों चाहिए रूहन।
ए मेहेर देखो मेहेबूब की अर्स जिनों वतन।।